के.ए.(पी.जी.) कॉलेज - मासिक न्यूज बुलेटिन

K.A. (PG) College MONTHLY NEWS BULLETIN

वर्ष : 01 अंक : प्रथम संस्करण दिनांक : 09 अगस्त 2024 पृष्ठ 12

अन्दर के पृष्ठों पर

पृष्ठ 3 पर

विकास और नवाचार को अपनाते हुए उपलब्धियों की ओर निरंतर बढ़ते कदम

पृष्ठ 4 पर

एलमनाई भवन के निर्माण की परिकल्पना

पृष्ठ 7 पर

के. ए. (पीजी) कॉलेज में किया गया बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

पृष्ठ 8 पर

महाविद्यालय की भावी परिकल्पनपाएं

मान्य सचिव-प्रबन्धकारिणी समिति कां सदेश

शिक्षा, संस्कार , संस्कृति, संवाद, समन्वय, संतुलन, सामंजस्य, सक्रियता और सहभागिता से निरंतर हों गतिमान

के.ए, (पीजी) कॉलेज, कासगंज इस जनपद का एक ऐसा उच्चतम शैक्षणिक संस्थान है, जो उच्चस्तरीय शिक्षा , अनुशासन और श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम के लिए जाना जाता है। इस महाविद्यालय ने अनेक छात्र-छात्राओं को प्रांतीय एवं राष्ट्रीय प्रतिभाओं के रूप में पहचान दी है। महाविद्यालय में कला , विज्ञान एवं वाणिज्य संकायों में पी.जी. के साथ-साथ , विभिन्न प्रकार के अन्य पाठ्यक्रम भी संचालित हैं।

शेष पृष्ठ 2 पर

मान्य प्राचार्य की कलम से

जनपद का शीर्षस्थ एवं गौरवशाली शिक्षण संस्थान

के. ए. (पी.जी.) कालेज, कासगंज

आओ! हम सब संस्थान के चहुंमुखी विकास के महाभियान से जुड़ें...!

कोठीवाल आड़तिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कासगंज जनपद का एक अत्यंत प्रतिष्ठित शीर्षस्थ महाविद्यालय है। इसके पीछे उन महानुभावों का महान योगदान है, जिन्होंने इसके निर्माण व विकास में अपना सर्वस्व होम किया है। इसके लिए मैं उन समस्त दिव्य विभूतियों के प्रति हार्दिक कृतज्ञता करता हूं।

शेष पृष्ठ 2 पर

शिक्षा, संस्कार , संस्कृति, संवाद, समन्वय, संतुलन, सामंजस्य, सक्रियता और सहभागिता से ...

महाविद्यालय में उच्चस्तरीय पुस्तकालय भवन का नवनिर्माण चल रहा है, तो महाविद्यालय के एन.एस.एस. , एन.सी.सी., रोवर रेंजर्स एवं खेलकूद विभाग के कार्यक्रम भी गुणवत्तापूर्ण होते हैं। खेलकूद व क्रीड़ा के क्षेत्र में महाविद्यालय के विद्यार्थी राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट स्थान प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में यह महाविद्यालय सुयोग्य प्राध्यापकों की श्रंखला के साथ प्राचार्य प्रो, अशोक कुमार रूस्तगी के कुशल मार्गदर्शन में निरंतर कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। मुझे आशा ही नहीं , अपितु पूर्ण विश्वास है, कि शिक्षा, संस्कार , संस्कृति, संवाद, समन्वय, संतुलन, सामंजस्य, सक्रियता और सहभागिता जैसे उत्कृष्ट मानदंडों के साथ निरंतर गतिमान हमारा यह महाविद्यालय "नई शिक्षा नीति" के सफलतम और सक्रिय संचालन के साथ विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं, नैतिक मूल्यों एवं राष्ट्रीय चिंतन की धारा प्रवाहित करने में सफल होगा।

मुझे विश्वास है, कि नए सत्र की विवरणिका (2024-25) में उल्लिखित विभिन्न जानकारियों का लाभ उठाते हुये विद्यार्थीगण महाविद्यालय के सवार्गीण विकास में सहायक बनेंगे, इसी कामना के साथ, मैं सभी प्रवेश लेने वाले नवीन छात्र-छात्राओं का हृदय से स्वागत करता हूं और शुभकामनाएं देता हूँ, कि वे अपने जीवन को सार्थक करते हुए सभी लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे।

विनय कुमार जैन
सचिव, प्रबंधकारिणी समिति
के .ए. (पीजी) कॉलेज,
कासगंज

आओ! हम सब संस्थान के चहुंमुखी विकास के महाभियान ...

मुझे बहुत प्रसन्नता है कि महाविद्यालय प्रबंध समिति के माननीय सचिव श्री विनय कुमार जी जैन के कुशल नेतृत्व में महाविद्यालय विकास के नित नूतन आयामों के स्पर्श के लिए प्रतिबद्ध है। निश्चय ही, किसी भी संस्थान के सतत, सारस्वत तथा सम्यक विकास के लिए प्रथम द्रष्ट्या भवन, रखरखाव, हरित पर्यावरण, रंग-रोगन, डेंट-पेंट, फर्नीचर, पथ प्रकाश, पेयजल, कार्यालय, क्लास रूम, स्मार्ट क्लास, बहु उद्देश्यीय सभाभवन, ऑडिटोरियम, पुस्तकालय, लैबोरेटरीज, वाहन स्टैंड, क्रीड़ा स्थल, सूचना पट आदि की जहां समुचित व यथेष्ट व्यवस्था आवश्यक होती है, वहीं समस्त संकायों के अंतर्गत विषयवार नियमित कक्षाओं का कुशलतापूर्वक संचालन व शैक्षिक एवम् शिक्षणेत्तर स्तर पर बहुआयामी गतिविधियों की निरन्तर गतिशीलता भी अनिवार्य है।

मेरा यह सुस्पष्ट अभिमत है कि कोई भी संस्थान प्रगति, विकास व उत्कर्ष की ओर तभी अग्रसर हो सकता है, जब सकारात्मक सोच, प्रबल इच्छाशक्ति, उदार दृष्टिकोण, दृढ़ संकल्पशीलता तथा हमारे अंतर्मन में कुछ कर गुजरने का भाव हो, अन्यथा की स्थिति में कोई भी मनःस्थिति केवल ''मात्र एक औपाचारिकता'' या ''समय पास'' करने की प्रवृत्ति से अधिक नहीं होती।

उपरोक्त के दृष्टिगत बहुत ही गंभीरता, हर्षोल्लास व उमंग के साथ महाविद्यालय के संबंध में जो-जो भावी योजनाएं मन-मस्तिष्क में प्रस्फुटित हो रही हैं, उनका एक संक्षिप्त विवरण "महाविद्यालय की भावी कार्य योजना" के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, इस आशा, विश्वास और अनुरोध के साथ कि ये समस्त कार्य योजनाएं महाविद्यालय की मान्य प्रबंध समिति के सचिव आदरणीय श्री विनय कुमार जी जैन के कुशल मार्ग निर्देशन तथा उपलब्ध संसाधनों के अनुपात में यथासंभव क्रियान्वित करने का स्वप्न है। साथ ही, हमें संयुक्त रूप से यह भी प्रयास करना है कि एतदर्थ, कहां-कहां से जन सहयोग अथवा अन्य रूपों में आवश्यक संसाधन जुटाए जा सकते हैं, उन पर भी सम्यक विचार, चिन्तन-मंथन व प्रयत्नशीलता अति आवश्यक है।

महाविद्यालय में "राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद" (National Assessment and Accreditation Council, NAAC की ओर से "नाक" संबंधी मूल्यांकन भी प्रतीक्षित है, जो हमारी शीर्ष प्राथमिकता व प्रतिबद्धता है।

हमारा महाविद्यालय शैक्षिक व शिक्षणेत्तर गतिविधियों में एक कीर्तिमान स्थापित करे, इससे जुड़े समस्त छात्र-छात्राएं व अभिभावक गण, शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारी गण एवम् महाविद्यालय प्रबंधन समिति अपनी संपूर्ण श्रेष्ठताओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ इस संस्थान की श्री वृद्धि में न केवल सहायक बनेंगे, अपितु इसके प्रति पूर्ण निष्ठा व समर्पण के आधारभूत अवयव भी सिद्ध बनेंगे, ऐसी पूर्ण आशा है। इस गौरवशाली संस्थान के चहुंमुखी विकास के महाभियान में आप सभी का हार्दिक स्वागत है।

- प्रो. अशोक कुमार रुस्तगी,
प्राचार्य

विकास और नवाचार को अपनाते हुए उपलब्धियों की ओर निरंतर बढ़ते कदम

हमारे मासिक समाचार बुलेटिन के प्रथम संस्करण (अगस्त मास) में आपका स्वागत है। जैसा कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो रहा है, हम अनेक अवसरों और चुनौतियों के समीप हैं जो हमारी यात्रा को आकार देने का वादा करते हैं कि हमारे कैंपस में उत्साह की लहर है, इस महीने में हम विभिन्न क्षेत्रों में हमारे छात्र छात्राओं और उनकी उल्लेखनीय प्रगति को उजागर कर रहे हैं, शोध कार्यों से लेकर सामुदायिक सेवा, राष्ट्र सेवा, विधार्थियों एवं प्राध्यापकों को कॉलेज की निष्ठा और कर्तव्य निष्ठा के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

इस महीने छात्रों ने कैंपस में जैव विविधता को बढ़ाने के लिए पूरे मनोयोग से वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हम हमारे संकाय सदस्यों के प्रयासों को भी स्वीकार करते हैं जिन्होंने विभागवार प्रस्तावित कार्यक्रमों में छात्रों को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। जैसा कि हम आगे बढ़ते हैं परिवर्तन को अपनाना खुद को चुनौती देना है और उत्कृष्टता की ओर प्रयास जारी रखना है ।

शिक्षा में नवाचार का प्रमुख स्थान है और हमारा कॉलेज रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने वाले वातावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे हालिया प्रस्तावित कार्यों में पूर्व छात्र भवन का निर्माण, श्री विशंभर दयाल बिंदल सभागार में भव्य साज _सज्जा, महाविद्यालय में विशाल पुस्तकालय भवन, भव्य समिति सभागार, त्रिकोणिया मैदान की बाउंड्री वॉल इत्यादि शीर्ष प्राथमिकता में हैं।

इसी की परिणति स्वरूप महाविद्यालय में डिजिटल साक्षरता बढ़ाने के हेतु क्षेत्र की सबसे विहंगम डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण अपने अंतिम चरण में है।

इसी परिवर्तन के तहत छात्र_छात्राओं की सुगमता के लिए महाविद्यालय परिसर में विभिन्न संकायों में सूचना पट, शुद्ध पेयजल के नल, आदि लगाए गए।

उच्च शिक्षा में आधुनिकता को स्वीकार करते हुए आधुनिक शिक्षण सामग्री प्रोजेक्टर, स्मार्ट क्लास इत्यादि विभिन्न संकायो में स्थापित की गई है। महाविद्यालय में विचारों के उत्कृष्ट आदान_प्रदान हेतु माहवार कार्यक्रम प्रस्तावित हैं, इसमें विशेष तौर पर इसी माह आयोजित होने वाले अभिमुखीकरण कार्यक्रम, तुलसीदास जयंती, अगस्त क्रांति दिवस आदि उल्लेखनीय हैं।

हमें उम्मीद है कि आपको कॉलेज बुलेटिन का यह संस्करण पसंद आएगा और सहपाठियों और योग्य प्राध्यापकों की कहानियां और उपलब्धियां हमारे लिए प्रेरक सिद्ध होंगी।

आइए! हम अपना सुनिश्चित लक्ष्य चुनें, तदनुसार सतत प्रयत्न करें, चुनौतियों से सीखें, निरन्तर आगे बढ़ने का संकल्प लें और एक उज्जवल भविष्य की दिशा में मिलकर काम करें।

-अंकित कुमार कौशल
सम्पादक
एवम् मीडिया प्रभारी

के. ए. (पी.जी.) कालेज

एलमनाई भवन के निर्माण की परिकल्पना

महाविद्यालय में के एपीजी कॉलेज एलमनाई भवन के वृहद एवम् भव्य निर्माण की योजना व परिकल्पना है। यह भवन अकादमी की ओर सबसे पीछे बनाया जाना प्रस्तावित है। यह भवन लगभग 60 फीट ७ 100 फीट आकार में बनेगा। इसमें एक मुख्य द्वार, दो अतिथि कक्ष, एक स्टोर, अतिथि कक्षों से अटैच टॉयलेट्स, तथा पृथक से पुरुष एवं महिला टॉयलेट्स, एक भव्य व आकर्षक मंच, एक विशाल सभागार, सभागार के लगभग 1/3 भाग में बालकनी, सबसे ऊपर टीन तथा फाइबर से निर्मित छत, सौर-ऊर्जा पैनल, पानी की टंकी, फर्नीचर, साउंड सिस्टम, लाइटिंग, पंखा तथा कूलर आदि की समुचित व्यवस्था किए जाने की परिकल्पना है।

यह भवन महाविद्यालय की प्रबंध समिति के पावन संकल्प तथा पूर्व विद्यार्थियों के सात्विक सहयोग, नगर के गणमान्य जनों एवम् माननीय सांसदों व विधायकों के पावन योगदान से बनाये जाने का स्वप्न है।

यूजीसी द्वारा की जाने वाली **नाक** संबंधी गठित विभिन्न समितियों में **पूर्व छात्र-परिषद**, जो चिट फंड एंड सोसाइटी रजिस्ट्रार कार्यालय से विधिवत पंजीकृत हो, जिसके निर्धारित सदस्य हों, जिनसे नियमित रूप से वार्षिक सदस्यता शुल्क लिया जाता हो, गठित की जानी भी अपेक्षित है।

यदि यह भवन महाविद्यालय परिसर में स्थापित होता है, तो निश्चय ही महाविद्यालय के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि होगी। यद्यपि यह कार्य अत्यंत व्यय तथा श्रमसाध्य है, किंतु दृढ़ संकल्प व इच्छा शक्ति के सामने असंभव नहीं है।

वास्तव में यह कहना न्याय संगत ही होगा-

चलने का हो भाव हृदय में, मंजिल फिर क्या दूर है।
साहस का अंबाल शैल को करता चकनाचूर है।।

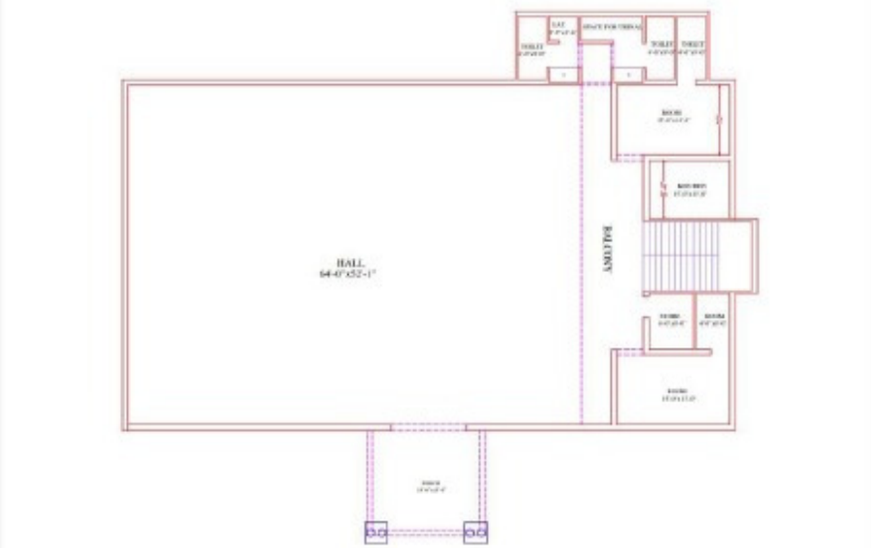

के ए पीजी कॉलेज में आयोजित हुई नॉक संबंधी बैठक

बाइनरी एक्रिडिटेशन पर की गई महत्वपूर्ण चर्चा

कासगंज । के.ए. (पीजी) कॉलेज में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नाक) के संबंध में एक विशेष बैठक का आयोजन प्राचार्य प्रो. अशोक कुमार रूस्तगी की अध्यक्षता में प्राचार्य कक्ष किया गया।

इस बैठक में प्राचार्य प्रो. रूस्तगी ने महाविद्यालय में समयबद्धता के साथ नाक संबंधी मूल्यांकन कराने की प्रतिबद्धता जताई और कहा कि नाक संबंधी समस्त अर्हताओं को पूर्ण करते हुए महाविद्यालय नाक समिति और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ आइ.क्यू.ए.सी. के कुशलता पूर्वक दायित्व निर्वहन के साथ इस दिशा में सफलता प्राप्त करेगा।

इस अवसर पर प्राचार्य ने नाक व आई क्यू ए सी के संयोजक सहित समिति के सभी सदस्यों को आश्वस्त किया कि इस संबंध में समस्त आवश्यक संसाधन महाविद्यालय की समिति को उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि महाविद्यालय की मान्य प्रबंध समिति के लिए भी नाक संबंधी निरीक्षण शीर्ष प्राथमिकताओं में से है।

इस अवसर पर नाक समिति की संयोजक डॉ. अंजना वशिष्ठ रावत ने 26 जुलाई को बाबा साहब अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित नाक संबंधी बैठक के महत्व पूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि नाक मूल्यांकन करवाने के लिए हमें कैसे तैयारी करनी है। उन्होंने नाक के विभिन्न बिंदुओं पर निर्धारित प्वाइंट एवं उसके दिशा निर्देश संबंधी जानकारी को भी विस्तार से बताया।

नॉक संयोजक ने बताया कि नॉक की तैयारी एकजुटता, तन्मयता एवं तत्परता के साथ हम सभी को करनी होगी।

बैठक में आइक्यूएसी के संयोजक डॉ. ए. पी. गुप्ता ने भी इस संबंध में कोई कसर न छोड़ने का संकल्प दोहराया,।

इस अवसर पर बैठक में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित आई क्यू ए सी टीम के सदस्य डॉ. अजीत यादव ने नॉक समिति के सदस्यों के समक्ष अपनी प्रस्तुति दी और बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षण संस्थानों के शोधन हेतु नॉक द्वारा नवीन प्रक्रियाओं को अपनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इसे बाइनरी एक्रडिटेशन के नाम से जाना जाएगा, जिसमें संस्थाओं द्वारा अपने संस्थान की आख्या प्रस्तुत करनी होगी। इसके लिए एक आवेदन पत्र का प्रारूप अगले माह सितंबर मास में आने वाला है, जिसके आधार पर विभिन्न औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए यह नवीन प्रक्रिया 01 जनवरी 2025 से प्रारंभ होगी।

डॉ. अजीत ने बताया कि इस प्रक्रिया में पूर्व में आने वाली विविध जटिलताओं को दूर करने का प्रयास किया गया है और अगले 5 वर्षों में देश के 90 प्रतिशत कॉलेजों में नाक की पात्रता धारित करने का लक्ष्य रखा गया है ।

इस महत्व पूर्ण बैठक में नाक समिति के सदस्य डॉ. एम.एस. चंदवरिया , डॉ. कमलेश कुमार सिंह , डॉ. संतोष कुमार , डॉ. हर्ष मिश्रा, डॉ. कुशहर साहनी, कार्यालय अधीक्षक वीरपाल व स्टैनो राजेश्वर सिंह ने भी अपने विचार रखे।

इस बैठक में नाक संबंधी मूल्यांकन के लिए आई. क्यू . ए. सी. के अभी तक सम्पन्न कार्यों की प्रगति की व्यापक व सम्यक समीक्षा भी की गई।

बैठक के अंत में प्राचार्य प्रो. अशोक रूस्तगी ने पुनः महाविद्यालय में विगत कई वर्षों से लंबित नॉक मूल्यांकन के लक्ष्य को आईक्यूएसी एवं नॉक समिति के संयुक्त प्रयास से हासिल करने की प्रतिबद्धता जताई। नाक समिति की संयोजक डॉ. अंजना वशिष्ठ रावत के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

महाविद्यालय के सफाई कर्मी श्रीपाल का विदाई समारोह संपन्न

स्मृति चिन्ह तथा उपहार भेंट कर श्रीपाल को दीं हार्दिक शुभकामनाएं

कासगंज। के ए पीजी महाविद्यालय में 31 जुलाई को एक भावुक विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जहां महाविद्यालय के लंबे समय से सेवाएं दे रहे परिचर सफाई कर्मी श्रीपाल को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

ज्ञातव्य है कि श्रीयुत श्रीपाल ने महाविद्यालय में पिछले 39 वर्षों से अपनी सेवाएं दी हैं और उन्होंने अपनी ईमानदारी और समर्पण से सभी का दिल जीत लिया।

उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय प्रशासन द्वारा श्रीपाल के पेंशन एवं जीपीएफ संबंधी स्वीकृति पत्र विदाई समारोह में ही उन्हें उपलब्ध करा दिए गए। इस अवसर पर उन्होंने अपनी ओर से महाविद्यालय के पुस्तकालय भवन हेतु 51 हजार रुपए का एक चैक भी प्रदान किया।

समारोह की शुरूआत अतिथियों के परम्परागत स्वागत से हुई।

विदाई की इस बेला पर प्रबंधकारिणी समिति के सचिव श्री विनय कुमार जैन ने अपने वक्तव्य में श्रीपाल के महाविद्यालय में किए गए अतुलनीय योगदान को सराहा। उन्होंने कहा, कि श्रीपाल ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन अत्यंत ईमानदारी , निष्ठा और समर्पण के साथ किया है।

इसी क्रम में प्रबंधकारिणी समिति के उप सचिव श्री संतोष कुमार माहेश्वरी ने श्रीपाल के कर्तव्य निष्ठा की प्रशंसा की ।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अशोक रूस्तगी ने बोलते हुए कहा कि श्रीपाल ने संस्था की सेवा सदैव निःस्वार्थ भाव से की तथा महाविद्यालय के विकास के लिए जरूरी हर कार्य में बढ़-चढ़कर रुचि भी दिखाई।

महाविद्यालय एक परिवार की तरह होता है, जिसमें एक-एक व्यक्ति का योगदान महत्वपूर्ण होता है।

इस अवसर पर डॉ. अंजना वशिष्ठ, डॉ. एम .एस . चंदवरिया, डॉ. मिथिलेश वर्मा, डॉ. नरेश चंद्र भारद्वाज व शीलेंद्र शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

अंत में श्री पाल ने अपनी विदाई के अवसर पर कहा, कि महाविद्यालय मेरी दूसरी घर की तरह रहा है। यहां बिताए गए हर पल को मैं हमेशा याद रखूंगा। मुझे गर्व है कि मैं इस प्रतिष्ठित संस्थान का हिस्सा रहा।

समारोह का समापन श्रीपाल को स्मृति चिन्ह और शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर साथियों द्वारा उपहार भेंट कर के किया गया। सभी उपस्थित लोगों ने उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ बृजेंद्र यादव ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सदस्य श्री राव मुकुल मानसिंह व श्री राकेश माहेश्वरी, सेवानिवृत प्राध्यापक डॉ. आदर्श मोहन राठी, डॉ. एपी गुप्ता, , डॉ. कमलेश कुमार सिंह, डॉ. संतोष यादव, डॉ. उमेश यादव , डॉ. अनुपम पाठक, डॉ. पवन दुबे, डॉ. सबिस्ता अंजुम, डॉ. अजीत यादव, डॉ. हर्ष मिश्रा, डॉ. कुशहर साहनी, लेफ्टिनेंट अभिषेक यादव, अंकित कौशल , निधि भसीन , डॉ. वाई. पी. सिंह, डॉ. डी. पी. सिंह, श्री अखिलेश कुमार, डॉ.यज्ञदत्त गौतम, श्री संजय राघव श्री आई. पी. सिंह, कार्यालय अधीक्षक श्री वीरपाल व आशु लिपिक श्री राजेश्वर सिंह आदि समेत महाविद्यालय के प्राध्यापक, कार्यालय स्टाफ तथा श्रीपाल के स्वजन एवं मित्रगण उपस्थित रहे।

के. ए. (पीजी) कॉलेज में किया गया बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

कासगंज। के. ए. महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और हरित परिसर बनाने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रबंधकारिणी समिति के मान्य सचिव श्री विनय कुमार जैन ने वृक्षारोपण अभियान में उपस्थित सभी लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए यह संदेश दिया, कि हमारे छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रबंधकारिणी समिति के मान्य सचिव श्री विनय कुमार जी जैन, उप सचिव श्री संतोष कुमार जी माहेश्वरी, कार्यकारिणी सदस्य श्री राव मुकुल मान सिंह जी, कासगंज नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष श्री राजेंद्र कुमार जी बौहरे की गरिमामय उपस्थिति रही । कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्य प्रो. अशोक कुमार रूस्तगी ने मान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए की। इसके पश्चात महाविद्यालय के खेल परिसर में अतिथिगण द्वारा अपने पूर्वजों की स्मृति में वट वृक्ष के पौधे लगाए गए एवं उनके देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेवारी भी ली। साथ ही साथ, वृक्षों की इत्यादि की सुरक्षा के लिए अंशदान भी प्रदान किए गए ।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया गया, जिनमें फलदार, औषधीय और छायादार वृक्ष शामिल थे। महाविद्यालय के छात्रों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण किया और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी ली। इस अवसर पर महाविद्यालय वृक्षारोपण नोडल अधिकारी अंकित कुमार कौशल ने अंत में सभी मान्य अतिथियों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. अंजना वशिष्ठ, डा. ए.पी. गुप्ता, डा. मुनेंद्र सिंह चंदवरिया, डॉ. मिथिलेश वर्मा, डॉ. कमलेश सिंह , डॉ बृजेंद्र कुमार, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. उमेश कुमार, डॉ. अनुपम पाठक , डॉ. पवन दुबे, डॉ. पूनम रानी शर्मा, डॉ. सबिस्ता अंजुम, डॉ. हर्ष मिश्रा, डॉ. अजीत यादव , लेफ्टिनेंट अभिषेक यादव , डॉ. कुशहर साहनी , कार्यालय अधीक्षक श्री वीरपाल तथा लेखाकार डॉ. नरेश चंद्र भारद्वाज समेत प्राध्यापकगण एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित एनएसएस एनसीसी तथा रोवर रेंजर्स के सदस्यों तथा छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय में वृक्षारोपण अभियान कल (आज) भी जारी रहेगा।

भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की जयंती मनाई गई

के . ए .(पीजी) कॉलेज कासगंज में आज दिनांक 1 अगस्त, 2024 को स्वतंत्रता सेनानी, राजनेता एवं भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की जयंती मनाई गई जिसका आयोजन सांस्कृतिक समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ .अशोक कुमार रुस्तगी ने की। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना से हुआ। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने राजर्षि टंडन के सम्पूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला। इसके लिए उन्हें प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। बी .काम के छात्र प्रियम ने उनके जीवन की उपलब्धियों से परिचित कराया वहीं बी .ए .के छात्र निखिल ने उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए कहा कि युवा छात्र नेता भी भविष्य का राजनेता सम्भव है ।तत्पश्चात छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य जी ने राजर्षि टंडन जी के जीवन से संबंधित अनेक संस्मरण साझा किये। डॉ. कुशहर साहनी, डॉ .सबिस्ता अंजुम, डॉ. अजीत यादव आदि प्राध्यापकों ने भी उनके विषय में गहन विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संतोष कुमार ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकों डॉ. मिथिलेश कुमारी, डॉ. पवन दुबे, डॉ .संजय सिंह, डॉ .डी .पी .सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजिका डॉ .पूनम रानी शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद *(National Assessment and Accreditation Council, NAAC)*

महाविद्यालय में यूजीसी का "नाक" संबंधी मूल्यांकन लंबे समय से प्रतीक्षित है। "नाक" का मूल्यांकन कराना हमारी शीर्ष प्राथमिकता व प्रतिबद्धता है।

इसके लिए नाक (NAAC) की नियमित बैठक आयोजित करना तथा नाक के निरीक्षण से संबंधित औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए अविलंब निरीक्षण संबंधी प्रभावी कार्यवाही करना अपेक्षित है। इस उद्देश्य से महाविद्यालय में नाक समिति की कोऑर्डिनेटर डॉ. अंजना वशिष्ठ तथा "आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ" (IQAC) के कोआर्डिनेटर डॉ ए. पी. गुप्ता व प्रकोष्ठ के अन्य सभी सदस्यगण सक्रियता पूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

महाविद्यालय की भावी परिकल्पनपाएं

अमाँपुर रोड स्थित त्रिकोणिया खेल मैदान का आधुनिकीकरण व वृहद निर्माण परियोजना

अमाँपुर रोड पर महाविद्यालय का एक विशाल खेल का मैदान है, जो बाउण्ड्री आदि न होने के कारण उपेक्षित-सा है, जिसके कारण आस-पड़ोस के लोगों तथा विभिन्न व्यवसायियों द्वारा इसका निरंतर निजी हित में प्रयोग किया जा रहा है। यह पूर्व से ही अतिक्रमण का शिकार हो रहा है। इसके तीन ओर रोड होने, पीछे कॉलोनी बनने व मेन रोड पर स्थित होने, व सामने तथा साइड में मार्केट डवलप होने जैसी अत्यन्त महत्वपूर्ण लोकेशन की वजह से इसकी महत्ता बहुत अधिक हो गयी है। यदि इसे भव्य स्वरूप प्रदान किया जाये तो इससे इस विशाल प्रांगण की उपयोगिता व गौरव में अत्यधिक वृद्धि हो सकती है। अतः त्रिकोणीया क्रीड़ा स्थल का समुचित रख-रखाव करना, इसकी बाउंड्री वॉल बनवाना, पहाड़पुर रोड तथा कॉलोनी की रोड पर एक-एक गेट बनवाना तथा मुख्य सड़क की ओर एक मुख्य द्वार का भव्य निर्माण कराना, त्रिकोणिया मैदान के अन्दर चारों ओर व्यवस्थित वृक्षारोपण, नर्सरी गार्डेन, फूल पौधारोपण, सबमर्सिबल, सौर ऊर्जा लाइट, चैकीदार कक्ष व नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था करना अपेक्षित है। आशा है कि इस दिशा में शीघ्र ही प्रभावी कार्यवाही हो सकेगी।

महाविद्यालय में विभिन्न व्याख्यानमालाओं का नियमित आयोजन करना

शहर व क्षेत्र के कुछ गणमान्य महानुभावों, जिनका धर्म, अध्यात्म, शिक्षा, संस्कृति, साहित्य, कला, उद्योग, राजनीति, आदि सहित समाज व राष्ट्र के किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट योगदान है जिनका **व्यक्तित्व तथा कृतित्व** समाज विशेषकर हमारी पीढ़ी के लिए प्रेरक हो सकता है, की पुण्य स्मृति में उनके **नामकरण** से विभिन्न व्याख्यानमालाएं आयोजित किये जाने की योजना है।

यदि इस प्रकार के सार्थक प्रयास किया जायें, तो महाविद्यालय में प्रतिवर्ष 50 से भी अधिक व्याख्यानमालायें प्रति वर्ष आयोजित की जा सकती हैं। इससे छात्र-छात्राओं में एक नव संचेतना व रचनात्मक क्षमता का संचार होगा तथा सभी को बहुत कुछ नया सीखने का सुअवसर भी मिलेगा।

ये व्याख्यानमालायें उदाहरणार्थ- श्रद्धेय श्री कपूरचन्द जी जैन स्मृति व्याख्यानमाला, श्रद्धेय श्री विशंभर दयाल जी बिंदल स्मृति व्याख्यानमाला आदि-आदि के रूप में हो सकती हैं। इस संबंध में नगर के महत्वपूर्ण गणमान्य जनों से यह विशेष अनुरोध है कि वे अपने मान्य पूर्वजों अथवा आत्मीय जनों पावन स्मृति में उनके नाम से ऐसी व्याख्यानमालाओं के आयोजन में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं। निश्चय ही, यह उन दिव्य आत्माओं के प्रति तो कृतज्ञता ज्ञापन होगा ही, साथ ही, इससे हमारी नई पीढ़ी में शिक्षा, संस्कार, व सांस्कृतिक मूल्यों की स्थापना के साथ ही, नव चेतना का उदय हो सकेगा।

नेशनल सेमिनार तथा कार्यशालाओं की व्यवस्था करना

महाविद्यालय में नियमित रूप से सेमिनार, सिम्पोजियम तथा कार्यशालाओं आदि का आयोजन होने से महाविद्यालय की प्रतिष्ठा तथा शैक्षिक गुणवत्ता में विशेष अभिवृद्धि होती है। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.), इण्डियन काउंसिल ऑफ सोशल साइन्स एण्ड रिसर्च (आई.सी.एस.एस.आर.), इण्डियन काउंसिल ऑफ फिलोसिफिकल रिसर्च (आई.सी.पी.आर), इण्डियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च (आई.सी.एच.आर), वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा निदेशालय (डी.एच.ई.), उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादमी तथा भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार आदि द्वारा प्रायोजित सेमिनार के लिए प्रयास करना है।

स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर नये विषयों की सम्बद्धता का लक्ष्य

महाविद्यालय में निरंतर शैक्षिक उन्नयन व विस्तार की दृष्टि से नए विषयों की संबद्धता के लिए आवेदन करने का लक्ष्य है-

1) स्नातकोत्तर- कला संकाय : एम0ए0 (राजनीति शास्त्र)

2) स्नातक- कला संकाय :
बी0ए0_इतिहास एवम् गृह विज्ञान

3) स्नातक- विज्ञान संकाय : बी0एससी0 (कम्प्यूटर)

साथ ही, एकेडमी में पूर्व में संचालित रहे पाठ्यक्रम, यथा- बी0बी0ए0, बी0सी0ए0 तथा बी0लिब0 आदि की पुनः सम्बद्धता पर विचार करना।

इग्नू व राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के केन्द्रों का संचालन

उल्लेखनीय है कि इग्नू डिस्टेन्स व ओपन मोड का विश्व का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। किसी भी महाविद्यालय में इग्नू का अध्ययन केन्द्र होना, उसके लिए एक गौरव की बात होती है। देखा जा रहा है कि विगत दीर्घ काल से महाविद्यालय का इग्नू अध्ययन केन्द्र उपेक्षित सा है। यहां न तो प्रवेश ही हो रहे हैं और न ही अन्य कोई गतिविधियां ही संचालित हैं। यहां जो कुछेक विद्यार्थी पंजीकृत होते भी हैं, तो उनकी परीक्षा भी अन्यत्र ही होती है।

अतः इस संबंध में महाविद्यालय में इग्नू तथा राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के केन्द्र के कुशल व सफल संचालन की समुचित व्यवस्था करना, अध्ययन केन्द्र का यथासंभव व्यापक प्रचार-प्रसार करना, अध्ययन-केन्द्र पर गतिविधियां बढ़ाना, अधिक पंजीकरण के लिए समय-समय पर विभिन्न संस्थानों में सम्पर्क कैम्प, कैम्पस व अन्यत्र मोटिवेशन कैम्प्स आदि का आयोजन करना, इग्नू की कार्यशालाएं आयोजित करना, नये-नये विषयों/पाठ्यक्रमों की सम्बद्धता संबन्धी कार्यवाही करना, फैकल्टीज को प्रोत्साहित कर काउंसलर्स की संख्या बढ़ाना, फैकल्टीज द्वारा विद्यार्थियों व सामान्यजनों को इग्नू के पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने हेतु प्रोत्साति किया जाना, साथ ही अन्य सभी वे प्रयास करना, जिनसे केन्द्र का सुचारू संचालन हो सके, जैसी प्रभावी कार्यवाही अपेक्षित है।

आशा की जाती है कि इग्नू के कोऑर्डिनेटर डॉ. अजीत कुमार यादव तथा उनके सहयोगी श्री राजेश्वर सिंह के कुशल नेतृत्व में महाविद्यालय का इग्नू केंद्र अपनी प्रतिष्ठा हासिल कर अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

महाविद्यालय में यू.जी.सी. अनुदानित विभिन्न चेयर्स की स्थापना का प्रयास करना

महाविद्यालय में उच्चस्तरीय शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ावा देने व शिक्षा में गुणात्मकता की अभिवृद्धि हेतु विभिन्न चेयर्स की स्थापना का प्रयास किया जाना श्रेयस्कर है। यथा - डॉ. भीमराव अम्बेडकर चेयर, सरदार वल्लभ भाई पटेल चेयर, पं0 दीनदयाल उपाध्याय चेयर, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी चेयर, महर्षि दयानन्द सरस्वती चेयर, स्वामी विवेकानन्द चेयर, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस चेयर, डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार चेयर, वीरांगना लक्ष्मीबाई चेयर,वीरांगना अवन्तीबाई चेयर आदि। इन चेयर्स के प्रभावी संचालन व सुप्रबंधन के लिए विभिन्न एजेंसियों के अतिरिक्त एन.जी. ओ., सामाजिक संगठनों तथा संबंधित संस्थानों से भी सहयोग प्राप्त किया जाना उपयुक्त होगा।

मान्य प्रबंध समिति / मान्य सचिव कक्ष की व्यवस्था

महाविद्यालय में मान्य प्रबंध समिति/ मान्य सचिव कक्ष की समुचित व्यवस्था की जा रही है, उसमें यू टाइप टेबिल्स तथा कुर्सियों की पर्याप्त व्यवस्था करने, साउंड सिस्टम, पी.वी.सी. पैनल, ए.सी., पंखे तथा प्रकाश आदि की समुचित व्यवस्था तथा विशेष साज-सज्जा करने का लक्ष्य है।

श्री विशंभर दयाल बिंदल सभागार को भव्य स्वरूप प्रदान करने का है लक्ष्य

महाविद्यालय में नगर की स्वनामधन्य विभूति श्री विशंभर दयाल जी बिंदल के परिजनों के पावन सहयोग से सन् 1996-97 में श्री विशंभर दयाल बिंदल सभागार की स्थापना हुई थी, जिसमें महाविद्यालय ने वर्ष 2022 में अपने स्तर से सभागार के आधुनिकीकरण का बृहद कार्य किया है। इसी क्रम में मान्य श्री रजनीकांत जी माहेश्वरी, मा0 सदस्य- राज्य विधान परिषद उत्तर प्रदेश की विधायक निधि से फर्श में टाइल्स लगाने की व्यवस्था सम्पन्न हुई है अभी इसमें अनेक कार्य अपेक्षित हैं ताकि यह सभागार अपने भव्यतम स्वरूप में आ सके।

संप्रति इस सभागार में निम्न आवश्यक कार्रवाई करना अपेक्षित है

1) सभागार में स्थाई साउंड सिस्टम की उत्तम व्यवस्था करना।

2) मंच के लिए टेबिल्स व कुर्सियों का प्रबंध करना।

3) मंच पर तीन भागों में उत्तम क्वालिटी के पर्दे लगवाना तथा मंच के दाएं व बाएं साइड में चार-चार फुट चैडे मंच के छत तक ऊंचाई वाले फ्रेमिंग ब्लॉक बनाना।

4) मंचीय लाइटिंग की समुचित व्यवस्था कराना।

5) सभागार के मंच पर मेज के लिए सफेद चादरों व मेज की झालरों की व्यवस्था करना।

6) हॉल के तीनों द्वारों पर फाइबर शीट्स के गेट्स की व्यवस्था करना।

7) सभागार में कंप्यूटरयुक्त प्रोजेक्टर की व्यवस्था करना।

8) सभागार के बाहर ग्रेनाईट पत्थर पर स्टील के लेटर्स से **श्री विशंभर दयाल बिंदल सभागार** लिखवाना।

10) सभागार में निर्बाध रूप से मंचीय साउण्ड सिस्टम, लाइट व हॉल में 1-2 लाइट हेतु इन्वर्टर की व्यवस्था करना, तथा अन्य वे सभी व्यस्थाएं करना, जो इस सभागार की भव्यता को बढ़ाने के लिए अत्यावश्यक हों।

के.ए. (पी. जी.) कॉलेज में 9 अगस्त को होगा अभिमुखीकरण कार्यक्रम

कासगंज। महाविद्यालय में नव प्रवेशित छात्र_ छात्राओं के लिए 09 अगस्त 2024 को अभिमुखीकरण कार्यक्रम (ओरिएंटेशन प्रोग्राम) का आयोजन महाविद्यालय के श्री विशंभर दयाल बिंदल सभागार में किया जायेगा। इस अवसर पर प्रबंधकारिणी समिति के सचिव श्री विनय कुमार जैन, सह सचिव श्री संतोष कुमार माहेश्वरी सहित प्रबंध समिति के सदस्य गण के साथ ही एमएलसी श्री रजनीकांत माहेश्वरी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के प्रमुख अपने-अपने विभागों तथा प्रभागों की संक्षिप्त जानकारी देंगे। कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अशोक कुमार रुस्तगी ने बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी. तथा बी.एससी. वोकेशनल कंप्यूटर एप्लीकेशन एवं बायोटेक्नोलॉजी के सेमेस्टर प्रथम में प्रवेशित छात्र-छात्राओं को इस कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना व राष्ट्रगीत के साथ होगा तथा समापन राष्ट्रगान के साथ किया जायेगा। इस बहुउद्देशीय सूचनाप्रद व प्रेरक कार्यक्रम के संयोजक डॉ. बृजेंद्र कुमार होंगे।

के. ए. (पी.जी.) कालेज, कासगंज

दि. 01.07.2024 से तिथिवार प्रस्तावित कार्यक्रमों का कैलेंडर

महाविद्यालय के प्रॉस्पैक्टस में प्रकाशित महत्वपूर्ण तिथियों, दिवसों व पर्वों पर माहवार आयोजित होने वाले तिथिवार प्रस्तावित कार्यक्रमों के इतर विभिन्न कार्यक्रमों का वार्षिक कलैण्डर :

1) स्नातक प्रथम सेमेस्टर में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम :	दि. 09.08.2024
2) गोस्वामी श्री तुलसीदास जयंती कार्यक्रम :	दि. 14.08.2024
3) श्री कपूरचंद जैन स्मृति व्याख्यानमाला :	दि. .16.08.2024
4) पूर्व छात्र परिषद सम्मेलन :	दि. 21.08.2024
5) गीत-गजल गायन प्रतियोगिता संगीत-स्वरांजलि कार्यक्रम :	दि. 05.09.2024
6) छात्र-छात्रा कवि सम्मेलन :	दि. 14.09 .2024, (हिंदी दिवस की पावन बेला में)।
7) स्नातक, परास्नातक एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम के विषम सेमेस्टर पाठयक्रम की मिड टर्म परीक्षा :	दि. 04.112024 से 11. 11.2024 तक।
8) रोवर्स-रेंजर्स द्विदिवसीय समागम :	दि. 13 से 14.12.2024 तक।
9) महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका मनीषा (सत्रः 2024-25) का विमोचन :	दि. 01.01. 2025
10) श्रद्धेय श्री कपूरचंद जैन स्मृति तृतीय कवि सम्मेलन :	दि. 17.01.2025
11) द्वि दिवसीय अखिल भारतीय सेमिनार :	दि. 18-19.01.2025
12) दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता :	दि. 22 से 23.01.2025 तक।
13) एन.एस.एस.- सात दिवसीय विशेष शिविर :	दि. 31.01.2025 से 06.02.2025 तक।
14) द्वि दिवसीय अखिल भारतीय सेमिनार :	दि. 10 से 11.02.2025 तक।
15) महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव :	दि. 17.02.2025
16) द्वि दिवसीय अखिल भारतीय सेमिनार :	दि. 24 से 25.02.2025 तक।
17) स्नातक, परास्नातक एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम के सम सेमेस्टर पाठयक्रम की मिडटर्म परीक्षाः	दि. 04.03.2025 से 11. 03.2025 तक।

इसी क्रम में, ये गतिविधियां भी अपेक्षित हैं-

1) माहवार-तिथिवार महत्वपूर्ण राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय दिवसों, जयंतियों एवं बलिदान-दिवसों पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन प्रत्येक की समयावधि-अधिकतम डेढ़ घंटा : समय सामान्यतः मध्याह्न 12:30 से 02:00 बजे तक अथवा आयोजक विभाग द्वारा निर्धारित समय।

2) विभागीय संगोष्ठियां : वर्ष भर में प्रत्येक विभाग द्वारा कम से कम 4- 4 विभागीय संगोष्ठियाँ आयोजित की जाएं, ऐसा अपेक्षित है। (समयावधि- अधिकतम डेढ़ घंटा): समय- स्वसुविधानुसार।

3) विभिन्न व्याख्यानमालाओं का आयोजन (प्रत्येक की समयावधि- 01 घंटा) : समय अपराह्न 01:00 से 02:00 बजे तक।

.....शेष कार्ययोजना - चैरेवेति- चैरेवेति.....!

-प्राचार्य

सर्वाधिकार स्वामितत्व के.ए. पी.जी. कॉलेज, कासगंज के लिए प्राचार्य डॉ0 अशोक कुमार रुस्तगी द्वारा सिंघल प्रेस कासगंज से मुद्रित कराकर महाविद्यालय कार्यालय से प्रकाशित किया गया। सम्पर्क सूत्र : 9412139333 सम्पादक : अंकित कुमार कौशल

कवि दिवस पर राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त को किया गया याद

कासगंज। 03 अगस्त का दिन हिंदी साहित्य के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि इसी दिन सन 1886 में झांसी के पास चिरगांव में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त का जन्म हुआ था। इस उपलक्ष्य में के ए पीजी कॉलेज के हिंदी विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की स्मृति में संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

उल्लेखनीय है कि मैथिली शरण गुप्त हिंदी के एक अत्यंत प्रतिष्ठित साहित्यकार हैं। उनके द्वारा लिखित कृतियों में रंग में भंग (1909), जयद्रथवध (1910), भारत भारती (1912), किसान (1917), शकुन्तला (1923), पंचवटी (1925), अनघ (1925), हिन्दू (1927), त्रिपथगा (1928), शक्ति (1928) , गुरुकुल (1929), विकट भट (1929), साकेत (1931), यशोधरा (1933),. द्वापर (1936), सिद्धराज (1936), नहुष (1940), कुणालगीत (1942), काबा और कर्बला (1942), पृथ्वीपुत्र (1950), प्रदक्षिणा (1950), जयभारत (1952), विष्णुप्रिया (1957), अर्जन और विसर्जन (1942) तथा झंकार (1929) उल्लेखनीय हैं। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर अशोक कुमार रूस्तगी ने की ।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी की जयंती के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अशोक रूस्तगी ने अपने उद्बोधन में कहा कि

मैथिलीशरण जी ने राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने के लिए अनेक रचनाएं लिखीं जिनमें सर्वप्रमुख भारत भारती लिखी है जिसके द्वारा उन्होंने भारत के अतीत वर्तमान और भविष्य का भावपूर्ण चित्रण किया । हम कौन थे, क्या हो गए और क्या होंगे अभी, आओ

विचारे बैठकर हम ये समस्याएं सभी , कवि ने अनुप्रास का सुंदर प्रयोग किया है " चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही है जल थल में ,उन्होंने यह भी बताया कि गुप्त जी ने आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी से विशेष प्रेरणा प्राप्त की और आगे चलकर विश्व विख्यात कवि के रूप में स्थान बनाया।

इस अवसर पर संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ बृजेंद्र ने गोष्ठी में उपस्थित छात्र छात्राओं को गुप्त जी के जीवन वृतांत पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनके जीवन काल को तीन भागों में बांटा जा सकता है पराधीन भारत में राष्ट्र चेतना को जगाने में अनेक कवियों का योगदान रहा लेकिन उनमें से एक महत्वपूर्ण योगदान मैथिलीशरण गुप्त जी का रहा।

राष्ट्र प्रेम से ओत-प्रोत उनकी रचना भारत भारती से प्रभावित होकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने राष्ट्रकवि की उपाधि दी

इसी क्रम में बोलते हुए डॉक्टर अजीत यादव ने उनकी कालजयई कविता नर हो ना निराश करो मन को का वाचन किया।

अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक डॉक्टर कुशहर साहनी ने संगोष्ठी में उपस्थित छात्रों को अपनी रुचि के अनुसार जीवन में रचनात्मक लेखन , गायन और वाचन जैसे कार्यों में बढ़-चढ़कर चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए सांस्कृतिक समिति की प्रभारी डॉ पूनम रानी शर्मा ने कहा कि हम और आप आज जिस खड़ी बोली हिंदी का दैनिक व्यवहार में प्रयोग करते हैं, उस हिंदी की स्थापना और उन्नयन में मैथिलीशरण गुप्त जी की महती भूमिका रही है।

उन्होने कहा कि जब मैथिली शरण गुप्त ने कविताएँ लिखना शुरू किया था तब ब्रजभाषा और अवधी भाषा का समृद्ध दौर था। स्वयं मैथिली शरण गुप्त भी 'रसिकेंद्र' नाम से ब्रजभाषा में कविताएँ, दोहा चौपाई, छप्पय आदि लिखा करते थे।

कार्यक्रम के अंत में संगोष्ठी की संयोजक एवं हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ मिथिलेश वर्मा ने उपस्थित सभी प्राध्यापकों एवं छात्र छात्राओं का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर नीलम, रोनित रिचा, झलक, संदीप, शिवम, रिचा समेत कई छात्र छात्राओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए।